मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 151, मुंबई, शनिवार, 22 अगस्त, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में साढ़े छह लाख के पार हुई कोरोना मरीजों की संख्या

71 पर्सेंट हुए ठीक

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में हर दिन कोरोना के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शुक्रवार को भी कोरोना वायरस के 14,161 नए मामले सामने आए। इसके साथ ही राज्य में इस वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 6,57,450 हो गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 339 मरीजों की मौत हो जाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 21,698 हो गई। पिछले 24 घंटे में 11,749 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी में शुक्रवार को कोरोना वायरस के तीन नए मामले सामने आए

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

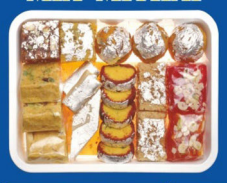

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

नवी मुंबई में इस्तेमाल ग्लव्स को धोकर दोबारा बेचने वाला गिरोह पकड़ा गया

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

तय समय में ही होंगे... बिहार में चुनाव

चुनाव आयोग ने जारी की गाइडलाइंस

संवाददाता

नई दिल्ली। कोविड महामारी के बीच चुनाव किस तरह होंगे और नामांकन से लेकर वोटिंग के दिन तक सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किस तरह होगा, इसके लिए चुनाव आयोग ने विस्तृत दिशानिर्देश जारी कर दिया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को गाइडलाइंस जारी करते हुए संकेत दिया कि बिहार में तय समय पर ही विधानसभा चुनाव होंगे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

अंधेरी के 'द एम्प्रेस होटल' में छापा

जुगार खेलते हुए 18 लोग गिरफ्तार, लगभग 2 लाख नकद बरामद

संवाददाता

मुंबई। अंबोली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत अंधेरी वेस्ट के ओबेरॉय कॉम्प्लेक्स, ऑफ न्यू लिंक रोड पर 'द एम्प्रेस होटल' में प्रॉपर्टी सेल द्वारा छापा मारा गया है। जिसमें जुगार खेलते हुए 12 खिलाड़ी, 3 जॉकी, 3 आयोजक, कुल 18 लोगों को गिरफ्तार किया है और लगभग 2 लाख नकद बरामद हुआ है। एनडी प्लेयर खाते को बनाए रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले 74 टेबल सिक्के, प्लेइंग कार्ड और नोटबुक भी जब्त किए गए हैं। अंबोली पुलिस स्टेशन में सीआर नंबर 411/2020 यू/एस 188, 269, 270, 34 आईपीसी आर/डब्ल्यू 4 (ए), 5 महाराष्ट्र निषेध अधिनियम आर/डब्ल्यू 51 (बी) आपदाओं अधिनियम में मामला दर्ज किया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

स्वच्छता की ओर

साफ-सफाई के मामले में देश भर के शहरों की प्रतियोगिता साल-दर-साल दिलचस्प होती जा रही है, तो यह खुशी और स्वागतयोग्य बात है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 के परिणामों की गुरुवार को हुई घोषणा में फिर इंदौर पहले स्थान पर रहते हुए दूसरे तमाम शहरों के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। सूरत और नवी मुंबई का दूसरे और तीसरे स्थान पर रहना भी इन शहरों की निरंतर मेहनत, लगन को सामने रखता है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा जारी स्वच्छता सूचियां पूरे देश के लिए कागज मात्र नहीं हैं, बल्कि व्यावहारिक महत्व रखती हैं। स्वच्छता विकास की एक महत्वपूर्ण बुनियाद होती है और गांधीजी की याद में शुरू किया गया यह अभियान अब बहुत आगे बढ़ चुका है। इस अभियान के तहत जिन 129 शहरों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, उनसे देश के तमाम शहरों को राह दिखेगी। दुनिया के इस सबसे बडे. स्वच्छता सर्वेक्षण में 4,242 शहरों, 62 छावनी बोर्डों और 92 गंगा के समीप बसे छोटे-बडे. शहरों की रैंकिंग आमतौर पर ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से तैयार की गई है। इस सर्वेक्षण की परंपरा से पहले हमारे शहर स्वच्छता का सिर्फ दावा किया करते थे, लेकिन अब उनकी स्वच्छता का फैसला ठोस पैमानों पर किया जाने लगा है। इस सर्वेक्षण की रोशनी में उत्तर भारत के शहरों को देखना सबसे ज्यादा जरूरी है, क्योंकि इन शहरों में आबादी का दबाव सर्वाधिक है। इन शहरों को अपनी ऐतिहासिक चमक बरकरार रखने के लिए सफाई की सर्वाधिक जरूरत है। दस लाख से ज्यादा आबादी वाले स्वच्छ शहरों में लखनऊ 12वें स्थान पर है। इसके बाद आगरा (16), गाजियाबाद (19), प्रयागराज (20), कानपुर (25) इत्यादि का स्थान है। झारखंड में रांची 30वें और धनबाद 33वें स्थान के साथ अपेक्षाकृत पीछे हैं। हालांकि 10 लाख से कम आबादी वाले शहरों में जमशेदपुर सातवें स्थान के साथ पूरे उत्तर भारत के लिए एक मिसाल है। झारखंड में विशेष रूप से रांची को स्वच्छता के मामले में आगे आना चाहिए, पर सबसे निराश करने वाली स्थिति पटना की है। पटना दस लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में सफाई के मामले में सबसे नीचे है। इंदौर से अगर पटना की तुलना करें, तो जहां इंदौर को 5,647.56 अंक मिले हैं, वहीं पटना को महज 1,542 अंक। गंगा के करीब बसे शहरों की जो रैंकिंग की गई है, उसमें भी पटना 32वें स्थान पर है। पटना में विगत वर्षों में सुधार हुआ है, पर जिस युद्ध स्तर पर यह शहर सफाई की मांग कर रहा है, उसमें हम पिछड़ रहे हैं। बहरहाल, बनारस से आशा जग रही है, क्योंकि दस लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में जहां उसकी रैंकिंग 27वीं है, वहीं गंगा तट पर बसे शहरों में वह सबसे स्वच्छ शहर है। प्रधानमंत्री का चुनाव क्षेत्र होना और विगत वर्षों में बनारस में सफाई पर ध्यान देने से फर्क दिखने लगा है। सफाई की वैसी ही चौकस व्यवस्था हर जगह होनी चाहिए, ताकि गंगा के किनारे के साफ शहरों में बहुत नीचे आए गाजीपुर जैसे क्षेत्रों की भी किस्मत बदले। जो शहर पिछड़ गए हैं, उन्हें आगे निकल चुके शहरों से सीखना होगा। पिछड़ते शहरों के निकायों और उनकी सरकारों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। जरूरी है कि यह सर्वेक्षण फाइलों की नहीं, देश की शोभा बढ़ाने का माध्यम बने और उससे भी जरूरी है, लोगों में अपने शहर को स्वच्छ रखने के लिए प्रतिस्पर्द्धा का भाव आए।

आधुनिक भारत की नई तस्वीर गढ़ेंगे देश के गांव

लाल किले की प्राचीर से देश को सातवीं बार संबोधित करते हुए 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि अगले तीन वर्षों में देश के सभी गांवों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ दिया जाएगा। इससे वास्तव में गांवों का कायाकल्प होने की एक बार फिर उम्मीद जगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीधे तौर पर यह तो नहीं कहा कि आधुनिक भारत की अगली नई तस्वीर देश के गांव गढ़ेंगे, लेकिन जिस तरह से मौजूदा केंद्र सरकार ने गांवों को नई संभावना के रूप में देखना शुरू किया है, वह निश्चित रूप से एक बड़ी बात है। भारत की मौजूदा सबसे बड़ी समस्याओं में से एक हमारे महानगरों और मझोले कद के शहरों के समूचे रहवासी ढांचे का चरमरा जाना भी है। भारत का आज की तारीख में कोई ऐसा महानगर या बड़ा या मझोला शहर नहीं है जहां

भयानक रूप से जाम की समस्या न हो। जहां पीने की पानी की समस्या न हो। जहां बढ़ती झुग्गी झोपड़ियों की समस्या न हो और जहां अनियंत्रित ढंग से शहर के विस्तारित होते जाने की समस्या न हो। सच तो यह है कि भारतीय शहरों का ढांचा ही पूरी तरह से चरमरा गया है। लंबे समय से योजना आयोग और शहरी विकास मंत्रलय देश के विभिन्न शहरों के समूचे ढांचे को चुस्त दुरुस्त करने के लिए दर्जनों घोषणाएं और प्रयास करते रहे हैं। मुंबई को शंघाई बनाया जाता रहा है और दिल्ली को लंदन। लेकिन हकीकत यही है कि न तो मुंबई शंघाई बन पाई है और न ही दिल्ली लंदन में परिवद्गतत हो सकी है। हालांकि किसी हद तक हाल के दशकों में इन शहरों बदलाव आया है, खासकर दिल्ली में 2010 के कॉमनवेल्थ खेलों के बाद यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी बड़ी तब्दीली हुई है। लेकिन ऐसा बदलाव नहीं हुआ है कि दिल्ली को स्मार्ट सिटी या लंदन जितना तेज रफ्तार शहर मान लिया जाए। ऐसे में डिजिटल गांव एकमात्र ऐसी ठोस उम्मीद हैं जिनके चलते देश का चेहरा तो बदलेगा ही, भारत के शहर भी रहने लायक और व्यवस्थित हो जाएंगे। लेकिन सवाल है कि क्या बस ठान लेने भर से डिजिटल गांवों में तब्दील किया जा सकता है? जवाब है ऐसा संभव है और इसके संभव होने के पीछे ग्रामीण भारत की कई ठोस उपलब्धियां हैं। सबसे पहले तो यह समझ लीजिए कि भले भारत की क्षेत्रीय भाषाओं और हिंदी में लिखे गए निबंधों में भारत की पारंपरिक ग्रामीण आबादी आज भी पिछड़ी हुई हो, फिल्मों के अनुसार वहां आधुनिकता न पहुंची हो, लेकिन सच्चाई यह नहीं है।

ये हुआ नहले पर दहला

प्राईवेट स्कुल वाले अभिभावकों को बार-बार मोबाइल पर फीस जमा करवाने के मैसेज कर रहे है और ऑनलाइन पढ़ाई स्टार्ट होने की बात कर रहे है तो कृपया मुझे जवाब देने की कृपा करें कि

1. हम अभिभावक आपको किस बात की फीस जमा करवाये जब हमारा बच्चा स्कूल गया ही नही..

2. ऑनलाइन पढ़ाई आपने हमसे पूछ कर तो शुरू करवाई नही और न ही हमने आपको कहा था कि ऑनलाइन पढ़ाई बच्चो की शुरू करवाओ..

3. ऑनलाइन पढ़ाई करने से पहले आपने हमसे पूछा कि हमारे पास ऑनलाइन पढ़ाई के लिये अलग से मोबाइल या लैपटॉप है कि नही..

4. पहले बच्चे अगर गलती से मोबाइल स्कूल में ले आते थे तो उनके मोबाइल आप लोग जब्त कर लेते और पेरेंट्स को बुलाकर स्कूल में मोबाइल से होने वाले नुकसान के बारे में सलाह देने लगते थे और आज आप उसी मोबाइल में ऑनलाइन पढ़ाई को सही ठहरा रहे है तो ये दोहरा मापदण्ड क्यों? इसलिये ताकि आप एक आध घण्टे ऑनलाइन पढ़ाई का बहाना बनाकर अभिभावको से फीस वसूल सके।

5. कृपया बताएं अभिभावक कहा से फीस लेकर आये? जब अभिभावक खुद सरकार के कहने पर अपने काम धंधे, नोकरिया छोड़कर घर बैठ गए तो वहाँ कहा से आपको फीस देंगे हमारे पास कोई

जादुई चिराग तो है नही जो रगड़ कर उससे पैसे आ जाएंगे और आपको दे देंगे और दूसरी बात क्यों देंगे जब बच्चा स्कूल गया ही नही।

6.आप कहते है कि आपको टीचरों को तन्खवाह देनी है तो कृपया आप बताये की अभिभावक क्या आपके बिजनेस पार्टनर है जो अगर आपको घाटा हो रहा है तो वो आपको दे। जब स्कुल में हर साल आपको प्रॉफिट हो रहा था तो क्या आपने कभी अभिभावको को कोई रियायत दी उल्टा हर साल फीस बढ़ाकर अभिभावको को शोषण करतें रहे।

7. अभिभावको ने भी अपने यहाँ कार्य करने वाले कर्मचारियों को वेतन अपनी जेब से दिया है। बड़ी बड़ी कम्पनियो के मालिकों ने फेक्ट्री के मालिकों ने अपनी जेब से दिया है तो टीचरों को वेतन भी आपको जेब से ही देना होगा क्योंकि टीचरों ने ही आपको हर साल कमा कर दिया है।

8.कृपया फालतू की बातों से या बच्चों के नाम काटने को धमकी देकर अगर आप ये सोच रहे है कि आप फीस हमसे जबरदस्ती वसूल लेंगे तो आप गलतफहमी में है।

9. हम सिर्फ हक की बात कर रहे है कि जब तक स्कूल बंद रहेंगे तब तक कि फीस हम आपको नही दे सकते आप चाहे ऑनलाइन पढ़ाई कराओ या मत कराओ क्योंकि हमारे बच्चो को तो कुछ समझ मे नहो आ रहा है।

10. इस ऑनलाइन पढ़ाई के चक्कर मे बच्चे मोबाइल पर गेम खेल रहे है।यू ट्यूब पर फालतू के वीडियोज देख रहे है। मोबाइल नही देने पर खाना पीना छोड़ रहे है। उनकी आखो की रोशनी और मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है और यही बात आप पेरेंट्स और बच्चो को समझाते थे और अगर बच्चो की आंखों पर या मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ा तो क्या आप उस बात की जिम्मेदारी लेते है?... मैं आपसे पुनः विनती करता हूं कि कृपया बार बार फीस जमा करवाने के लिये मेसेज न करे और न ही हम पर दबाव बनाये। जब तक स्कूल बंद रहेंगे तब तक हम आपको फीस नही दे सकते।

मोहर्रम त्यौहार नहीं इबादत का महीना है

मधुबनी संवाददाता/मो सालिम आजाद

मोहर्रम का चाँद नजर आते ही इसलामी नये साल का आगाज हो जाता है मगर इबादत कोरुना महामारी के चलते जलसे जुलूस और मजलिस निकालने पर पाबंदी लगी हुई हैं जलसो और जुलूस पर खर्च होने वालो पैसो को गरीब मोहताज और बिमारो के ईलाज पर खर्च करे इसलामि नया साल 1442 शुरू हो चुकी है मोहररम कमिटी के सर परसत अमानुललाह खान ने कहा कि कोरोना महामारी को देखते हुए कर्बला महफिल-ए-मिलाद और कोर्आन खानी फातेहा का प्रोग्राम जिला प्रशासन की गाइडलाइन के मुताबिक ही करें अमानुललाह खान ने कहा कि गरीब मोहताज और बिमारो को खाना खिलाये और अपने अपने घरोंमें रोजा नमाज और कोर्आन कि तलावत का ऐहतमाम करें और कोरोना महामारी से निजात पाने के लिए दोआ करें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शनिवार
22 अगस्त, 2020

नवी मुंबई में इस्तेमाल ग्लव्स को धोकर दोबारा बेचने वाला गिरोह पकड़ा गया

3 टन यानी 4 लाख ग्लव्स बरामद, 1 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। कोरोना संक्रमण के इस काल में नवी मुंबई में इस्तेमाल किए ग्लव्स (दस्तानों) को फिर से धुल कर बाजार में बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। क्राइम ब्रांच द्वारा इस मामले में अब तक एक शख्स की गिरफ्तारी हुई है और एक दर्जन से ज्यादा लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इसकी निशानदेही पर पुलिस ने तीन टन यानी 4 लाख इस्तेमाल किए हुए ग्लव्स बरामद किए हैं। पुलिस की टीम ने नवी मुंबई एमआईडीसी की एक फैक्ट्री पर छापा मारा तो इन ग्लव्स को धोने और पैकिंग का काम जारी था।

नीले रंग के इन लेटेक्स दस्तानों का इस्तेमाल आमतौर पर डॉक्टर और नर्स मरीजों के इलाज के दौरान करते हैं। मुंबई पुलिस के सीनियर इंस्पेक्टर सुभाष निकम ने बताया कि शहर के एमआईडीसी क्षेत्र के गामी इंडस्ट्रियल पार्क में एक गोदाम पर छापा मारा गया। यहां किताबों की छपाई का काम होता है। इस मामले में फैक्ट्री के मालिक प्रशांत सुर्वे को गिरफ्तार किया गया है। निकम ने बताया कि आरोपी दस्ताने को साफ करने के लिए वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल कर रहा था और उन्हें सुखाने के लिए ब्लोअर का इस्तेमाल कर रहा था। उन्होंने कहा कि जब्त की गई वस्तुओं का मूल्य 6 लाख रुपए से अधिक है।

कई हॉस्पिटल के इस गिरोह से जुड़े होने का अंदेशा: पुलिस ने कहा कि अभियुक्त के पास मिले लेटेक्स दस्ताने की मात्रा को देख ऐसा लगता है कि इन्हें किसी हॉस्पिटल से खरीदा गया है। इस मामले में जांच जारी है और इसकी जद में कुछ हॉस्पिटल भी आ सकते हैं। दस्ताने को साफ करने के लिए इस्तेमाल होने वाला केमिकल भी बड़ी मात्रा में बरामद हुआ है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि क्या उन्होंने अब तक किसी को यह पैकेज में बेचा है या नहीं। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 336 (दूसरों की जान को खतरा या दूसरों की व्यक्तिगत सुरक्षा) और धारा 270 के तहत केस दर्ज किया गया है।

आईटीआई में प्रवेश की अवधि 31 अगस्त तक बढ़ी

मुंबई। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) की केंद्रीय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया की अवधि 21 अगस्त से बढ़ाकर 31 अगस्त किया गया है। राज्य के कौशल्य विकास, रोजगार और उद्यमिता मंत्री नवाब मलिक ने इसका कारण बताया कि राज्य के कुछ इलाकों में स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन होने के चलते प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भरने की अवधि बढ़ाने की मांग हो रही थी। ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट की कुछ समस्या है। इसके मद्देनजर प्रवेश के लिए अवधि बढ़ा दी गई है। मलिक ने कहा कि साल 2015 से 2019 के प्रवेश सत्र के लिए उपलब्ध सीटों के 2.25 गुना आवेदन प्राप्त हुए थे, परंतु इस साल कोरोना महामारी के कारण पैदा हुई स्थिति में उपलब्ध सीटों से केवल 1.45 गुना आवेदन मिल पाए हैं। गुरुवार को मलिक ने बताया कि 1 लाख 45 हजार सीटों के लिए अब तक 2 लाख 55 हजार 803 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। इसमें से 2 लाख 21 हजार 858 विद्यार्थियों ने फीस का भुगतान कर दिया है। जिनमें से 2 लाख 7 हजार 285 विद्यार्थियों ने प्रवेश के लिए विकल्प चुना है। वहीं पंजीकृत विद्यार्थियों में से 48 हजार 518 विद्यार्थियों ने अभी तक प्रवेश के लिए कार्यवाही पूरी नहीं की है।

रेलवे अधिकारी बताकर कर रहे थे चोरी, 17 गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मध्य रेलवे के आरपीएफ ने एक गिरोह के तीन सदस्यों सहित 17 लोगों को रेल सामग्री चुराते हुए पकड़ा है। अरपीएफ ने 34 मीट्रिक टन ओएचई सामग्री चोरी होने से बचा ली। इस सामग्री की कीमत 25.6 लाख रुपये है। ओएचई द्वारा ट्रेनों में बिजली की सप्लाई की जाती है। आयुक्त केके अशरफ ने बताया कि कुर्ला इंस्पेक्टर आरपी मीणा को इंटेलिजेंस विंग से रविवार को सूचना मिली थी कि कुछ लोग रेलवे का सामान की चोरी कर रहे हैं। इसके आधार पर इंस्पेक्टर आरपीएफ, कुर्ला ने कुर्ला इलाके में छापेमारी की और 17 व्यक्तियों को एक ट्रक, एक स्कूटी, 15 ऑक्सीजन सिलेंडर, 5 वाणिज्य गैस सिलेंडर और 9 गैस कटर के साथ सामग्री बरामद की। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने एक ट्रक सामग्री पहले ही बाहर भेज दी थी। हमने ट्रक का पता लगाने के लिए टीमों का गठन किया था और 12 घंटे के भीतर ही चोरी किया हुआ सारा माल बरामद कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से एक आरोपी अब भी फरार है। सूत्रों ने बताया कि आरोपियों ने खुद को रेल कर्मचारी बताते हुए स्क्रैप का माल हटाने की बात की थी। उनकी बातों में आकर मजदूर दिन-दहाड़े की जा रही चोरी में अनजाने में ही शामिल हो गए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र में साढ़े छह लाख के पार हुई कोरोना मरीजों की संख्या

इसके साथ ही स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या 4,70,873 हो गई। महाराष्ट्र में मरीजों के स्वस्थ होने की दर 71.62 है जबकि मृत्यु दर 3.30 प्रतिशत है। राज्य में अभी 1,64,562 लोग इस वायरस से संक्रमित हैं, वहीं अब तक 34,92,966 लोगों का परीक्षण किया गया है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी में शुक्रवार को कोरोना वायरस के तीन नए मामले सामने आए। इसके साथ ही यहां संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 2,700 हो गई। गुरुवार को धारावी में 17 मामले सामने आए थे, जो अगस्त में किसी एक दिन की सबसे अधिक संख्या थी। अधिकारी ने बताया कि कुल 2,700 मामलों में से 2,348 मरीज पहले ही स्वस्थ हो चुके हैं और अभी 92 लोग संक्रमित हैं। मुंबई में शुक्रवार को कोरोना के कुल 1406 नए केस सामने आए। 24 घंटे में कोरोना के कुल 1235 मरीज डिस्चार्ज हुए और 42 की मौत हो गई। मुंबई में कोरोना मरीजों की कुल संख्या अब 134223 हो गई है। हालांकि, मुंबई में कोरोना के ऐक्टिव केस की संख्या अब सिर्फ 18297 रह गई है। 108268 मरीज ठीक हो चुके हैं और 7353 मरीजों की मौत हो गई है।

तय समय में ही होंगे बिहार में चुनाव

आयोग ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सोशल डिस्टेसिंग का पालन करना होगा और ऐसा नहीं करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, आयोग ने 65 साल के तक बुजुर्ग को पोस्टल बैलट की सुविधा देने का आदेश विपक्षी दलों के विरोध के कारण वापस ले लिया है। सूत्रों के अनुसार राज्य में इस बार विधानसभा चुनाव अधिकतम एक या दो चरणों में हो सकते है। आम तौर पर वहां पांच चरणों में चुनाव होते थे। राज्य में नए विधानसभा का गठन 28 नवंबर से पहले हर हाल में होना है। अगर इस सीमा के अंदर चुनाव नहीं होता है तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना होगा। बिहार विधानसभा चुनाव के साथ मध्य प्रदेश के 26 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव होने हैं। चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार राजनीतिक दल रैली,रोड शो या घर-घर जनसंपर्क अभियान कर सकेंगे लेकिन इन सभी में कोरोना को देखते हुए कड़े नियमों का पालन करना होगा। दरअसल बिहार में हाल के दिनों में कोविड संक्रमण तेजी से बढ़ा है और देश में सबसे अधिक नए मरीज मिलने वाले राज्यों में शुमार है।

1- ऑनलाइन नॉमिनेशन होगा। जमानत राशि भी ऑनलाइन जमा कर सकते है। हालांकि सशरीर नामांकन का भी विकल्प होगा। लेकिन इसके लिए मात्र 2 लोग साथ जा सकेंगे। अधिकतम दो गाड़ी ले जा सकते हैं साथ।

2- जन-संपर्क अभियान में घर-घर अधिकतम पांच लोगों को अनुमति होगी।

3 -होम मिनिस्ट्री कोविडी सुरक्षा से जुड़े मानक को पूरा करने पर रैली या रोड शो जैसे आयोजन को अनुमति देगी।

4-साथ ही पब्लिक रैली करने के लिए सोशल डिस्टेसिंग के साथ होगी। कितने लोग आएंगे इसकी जानकारी भी पूर्व तय होगी। इसमें निगरानी के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी रहेंगे।

5-वोटिंग से पहले दस्ताने दिए जाएंगे वोटर को। हर बूथ पर अधिकतम एक हजार वोटर ही होंगे। बूथ पर सैनिटाइजर होग। इसे चुनाव से 72 घंटे पहले लगातार सैनिटाइज किया जाएगा।

6-अगर किसी वोटर का तापामान अधिक दिखता है तो उसे सबसे अंत में वोट देने के लिए बुलाया जाएगा।

7-चुनाव प्रक्रिया में लगे सभी कर्मियों को कोविड से बचाव के लिए किट दिया जाएगा।

सुशांत के कुक से सीबीआई की पूछताछ

जांच एजेंसी ने नीरज सिंह के सामने रखे 10 बड़े सवाल

पूछा- पंखे से लटकी बॉडी उतारते वक्त कुल कितने लोगों ने सुशांत को पकड़ा था

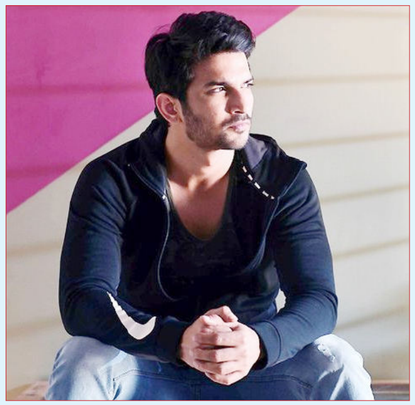

संवाददाता

मुंबई। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को उनके कुक नीरज से पूछताछ की। सीबीआई ने नीरज से 10 सवाल पूछे। उनसे 13 और 14 जून के दिन घटी घटनाओं का सिलसिलेवार ब्योरा पूछा गया। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई ने अपनी पूछताछ में नीरज के सामने यह सवाल किए हैं।

सीबीआई के नीरज से सवाल

- अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के साथ आपके रिलेशन कैसे थे? आप कितने दिन से उनके साथ काम कर रहे हैं?
- 13 जून की रात क्या घर पर कोई पार्टी हुई और 14 जून की सुबह घर का माहौल कैसा था?
- कौन-कौन लोग सुशांत की मौत वाले दिन कमरे के अंदर और बाहर मौजूद थे?
- 14 की सुबह क्या-क्या हुआ, इसे सिलसिलेवार ढंग से बताइए? उस दिन सुशांत से आपकी कितनी बार मुलाकात हुई?
- क्या सुशांत आमतौर पर अपने कमरे में ही रहते थे या फिर वे घर के लोगों या रिया के साथ समय बिताते थे?
- क्या सुशांत ने 13 और 14 को सामान्य तरीके से खाना खाया था? उन्होंने क्या-क्या खाया था?
- सुशांत और रिया चक्रवर्ती के बीच कैसे संबंध थे? क्या उन्होंने लॉकडाउन खत्म होने के बाद घर से जाने के लिए कहा था?
- सुशांत की बॉडी सबसे पहले किसने देखी? क्या जब सुशांत का शव पंखे से लटका था तो आप कमरे में गए थे?
- सुशांत की बॉडी को उतारने के लिए किसने बोला था? बॉडी उतारने के दौरान क्या आपने भी सहयोग किया था? बॉडी उतारते वक्त कितने लोगों ने सुशांत को पकड़ा था?
- पीसीआर को कब कॉल किया गया और वो कॉल किसने किया था? पुलिस के आने से पहले और उसके बाद क्या-क्या हुआ डिटेल में बताइए?

रिया चक्रवर्ती ने नीरज को नौकरी पर रखा था

नीरज सिंह सुशांत के घर में पिछले 8 महीने से काम कर रहे थे। नीरज को रिया चक्रवर्ती ने ही नौकरी पर रखा था। नीरज से बिहार और मुंबई पुलिस पूछताछ कर चुकी है। नीरज ने एक इंटरव्यू में बताया था कि आत्महत्या वाले दिन सुशांत ने उनसे पानी मांगा था और फिर वह कमरे में चले गए थे।

नीरज ने बताया- 14 जून को क्या-क्या हुआ?

नीरज ने इससे पहले बताया था कि रिया चक्रवर्ती 8 जून को सुशांत का घर छोड़कर चली गई थीं। सुशांत का 12 लोगों का स्टाफ था, जिसमें से कुछ लोगों को उन्होंने काम से निकाला था। नीरज ने यह भी बताया था कि घटना वाले दिन सुशांत रूम में चले गए थे। इसके बाद मैंने रूम का दरवाजा आराम से खटखटाया, लेकिन कोई रिप्लाई नहीं आया। मैं आधे घंटे के बाद फिर गया। केशव ने भी ऐसा ही किया। उसने दो बार सर को कॉल भी किया था, लेकिन रिप्लाई नहीं आया। फिर उनकी बहन को कॉल किया गया।

सैमुअल मिरांडा से 5 घंटे तक पूछताछ हुई: सीबीआई की टीम ने सुशांत सिंह राजपूत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा से 5 घंटे तक पूछताछ की। सुशांत के हाउस मैनेजर से सीबीआई ने क्या पूछा इसके बारे में किसी तरह की जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि, ये कहा जा रहा है कि सैमुअल से सीबीआई की टीम ने यह जानने की कोशिश की सुशांत के घर पर 13 जून और 14 जून को क्या कुछ हुआ था।

तेज प्रताप के खिलाफ महुआ विधानसभा से मैदान में उतर सकती हैं ऐश्वर्या

पटना। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के समधी और पार्टी विधायक चंद्रिका राय के जनता दल यूनाइटेड में गुरुवार को शामिल होने के बाद अब इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या राय भी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगी? जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में शामिल होने के बाद चंद्रिका राय को परसा विधानसभा सीट से टिकट मिलना तय है। चंद्रिका राय परसा विधानसभा से मौजूदा विधायक हैं और 7 बार इसी सीट

से चुनाव जीत चुके हैं। अब सवाल चंद्रिका राय की बड़ी बेटी ऐश्वर्या राय को लेकर खड़े हो रहे हैं, जिसकी शादी लालू प्रसाद के बड़े बेटे और विधायक तेज प्रताप यादव के साथ हुई थी। दरअसल, जनता दल यूनाइटेड में शामिल होने के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में चंद्रिका राय ने इशारों ही इशारों में यह ऐलान कर दिया था कि उनकी बेटी ऐश्वर्या जनता दल यूनाइटेड के टिकट पर तेज प्रताप यादव के खिलाफ महुआ विधानसभा सीट से चुनाव में उतर सकती हैं।

महुआ विधानसभा से टिकट: बता दें कि तेज प्रताप महुआ विधानसभा से मौजूदा विधायक हैं और ऐसे में माना जा रहा है कि पिछले कुछ महीनों में जिस तरीके से ऐश्वर्या राय के साथ लालू परिवार ने बुरा बर्ताव करके उन्हें घर से निकाल दिया है, इसी को भुनाने के लिए जनता दल यूनाइटेड ऐश्वर्या को महुआ विधानसभा से टिकट दे सकती है। बता दें कि 2018 में तेज प्रताप यादव और ऐश्वर्या की शादी हुई थी। हालांकि शादी के 6 महीने के बाद ही तेज प्रताप ने अपनी पत्नी से तलाक लेने के लिए कोर्ट में अर्जी दायर कर दी थी। इसी दौरान कई बार ऐश्वर्या को लेकर लालू परिवार में मचे झगड़े को सड़कों पर भी देखा गया, जब ऐश्वर्या राय को लालू परिवार के जरिए घर से निकाल देने की बात सामने आई थी। अपनी बेटी के साथ हुई बदसलूकी को लेकर आरजेडी विधायक चंद्रिका राय भी काफी नाराज हो गए थे और फरवरी में ही उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। गुरुवार को वह जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो गए थे।

हरियाणा के नागरिकों को मिलेंगी 75 फीसदी प्राइवेट नौकरियां, बिल लाएगी सरकार

चंडीगढ़। कोरोना वायरस की महामारी के बाद अब नौकरियों में राज्यों की ओर से अपने नागरिकों के लिए किए जा रहे आरक्षण का दौर चल रहा है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सरकारी नौकरियों में स्थानीय नागरिकों के लिए शत-प्रतिशत आरक्षण का ऐलान क्या कर दिया, अब कई राज्य इसी राह चल पड़े हैं। हरियाणा की मनोहर लाल खट्टर सरकार भी अब ऐसे ही कदम की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक खट्टर सरकार प्राइवेट नौकरियों में स्थानीय नागरिकों के लिए 75 फीसदी आरक्षण का प्रावधान करने की तैयारी में है। सरकार इसके लिए विधानसभा में बिल लाएगी। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। गौरतलब है कि हाल ही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह ऐलान किया था कि अब राज्य सरकार की सरकारी नौकरियां केवल राज्य के नागरिकों को ही मिलेंगी। उन्होंने कहा था कि इसके लिए सरकार जल्द ही कानून में जरूरी बदलाव करेगी। गौरतलब है कि सबसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने सूबे में लगने वाली किसी भी फैक्ट्री, उद्यम में स्थानीय नागरिकों के लिए 75 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया था।

बिहार विधानसभा चुनाव

बारिश-बाढ़ के बाद अब चुनाव से जुड़ा आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, कोरोना के हिसाब से तय करेगा भीड़

पटना। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस समय बाढ़, बारिश और बिजली गिरने जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। इसके अधिकारी-कर्मचारी राहत और बचाव कार्य में लगे हैं। अब निर्वाचन आयोग की नई गाइडलाइन के तहत चुनाव में भी प्राधिकरण की ड्यूटी लग गई है। कोरोना काल में चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग की ओर से 21 अगस्त को जारी गाइडलाइन में प्राधिकरण को चुनाव प्रचार के दौरान भीड़ की संख्या तय करनी है।

निर्वाचन आयोग ने कोरोना काल में हर तरह के प्रचार में आमजन, समर्थक, सुरक्षाकर्मियों की भीड़ के लिए स्पष्ट गाइडलाइन जारी की है। लेकिन, कैंपेन-रैली में भीड़ की संख्या तय करने की बड़ी जिम्मेदारी राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को दी है। बिहार में इस प्राधिकरण के अध्यक्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सीईओ राज्य के मुख्य सचिव हैं। उपाध्यक्ष रिटायर्ड आईएएस व्यासजी, सदस्य

रिटायर्ड आईपीएस पीएन राय और शिक्षाविद् उदय कांत मिश्रा हैं। निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक, अब इस काम में भी रिटायर्ड आईएएस व्यासजी या रिटायर्ड आईपीएस पीएन राय की भूमिका रहने की उम्मीद है। नई गाइडलाइन के तहत राजनीतिक दलों या प्रत्याशियों के कैंपेन के लिए जगह का चुनाव करने का अधिकार जिला निर्वाचन पदाधिकारी, यानी डीएम के पास होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि रैली या सभा के लिए तय जगह पर प्रवेश और निकास की व्यवस्था सही तरीके से हो। किसी भी ऐसे कार्यक्रम के पहले सोशल डिस्टेंसिंग के मानकों के तहत लोगों के खड़े होने की मार्किंग भी जिला निर्वाचन कार्यालय के जिम्मे ही होगी। जिले में कोरोना के लिए नोडल अफसर बनाए गए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इसकी देखरेख करेंगे। लेकिन, इन सभी को पहले ऐसे स्थलों का चयन, उनकी लंबाई-चौड़ाई आदि का विवरण प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पास देना होगा।

प्राधिकरण कोविड-19 की गाइडलाइन के तहत इन स्थलों के लिए लोगों की संख्या तय करेगा। पटना का गांधी मैदान हो या बेगूसराय का गांधी स्टेडियम, संबंधित जिले से पूरा विवरण प्राधिकरण के पास आएगा और फिर प्राधिकरण के अधिकारी एक-एक स्थल के लिए भीड़ की संख्या निर्धारित कर वापस जिला निर्वाचन पदाधिकारी को सूचित करेंगे। अब तक ऐसी प्रक्रिया नहीं थी और सारे अधिकार जिला निर्वाचन पदाधिकारी के पास होते थे। आदर्श आचार संहिता के साथ ही जिलाधिकारी के पास जिला निर्वाचन पदाधिकारी की जिम्मेदारी चली जाएगी।

भीड़ के नियम तोड़ने पर भी आपदा एक्ट के तहत भी कार्रवाई

कोविड-19 के मद्देनजर निर्वाचन आयोग की ओर से जारी गाइडलाइन में इस बात का भी स्पष्ट जिक्र किया गया है कि भीड़ से संबंधित नियमों को तोड़ने वालों पर डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट 2005 के सेक्शन 51-60 के तहत भी कार्रवाई होगी और आईपीसी के सेक्शन 188 के तहत भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इन दोनों के साथ ही कोरोना को लेकर 29 जुलाई 2020 को जारी गृह मंत्रालय के निर्देश के तहत भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बुलढाणा हलचल

महावितरण की अनदेखी से उपभोक्ता परेशान, मीटर रीडिंग कॉन्ट्रैक्ट कंपनी कर रही है मनमानी!

संवाददाता

बुलढाणा। कोरोनावायरस का अर्थव्यवस्था और लोगों की जीविका पर भयाभव प्रभाव शुरू है। बीते 24 मार्च से जारी लॉक डॉन के कारण सामान्य नागरिक अब तक भी उभरा नहीं लोक डॉन के कारण जो रोजगार थे वह भी बेरोजगार हो गए हैं जिससे उन्हें दैनिक जीवन का गुजारना मुश्किल होग या है। जीवन आवश्यक वस्तु के बगैर कैसे जिंदगी गुजारे, घर में बैठे बेरोजगार युवक नागरिक ऐसी कठिन जिंदगी में जीवन गुजारने का सामना उन्हें करना पड़ रहा है। इसी बीच महावितरण कंपनी का अजीब निर्णय के अनुसार महावितरण उपभोक्ताओं को ऑनलाइन रीडिंग और ऑनलाइन बिल भेजने का आदेश दिया गया। लेकिन इस महामारी के संकट काल में अपना अपने परिवार का

जीवन आवश्यक वस्तु खरीद ने के लिए सामान्य नागरिकों को मुश्किलात का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी संकट परिस्थिति में वह ऑनलाइन बिल कैसे भरे। ऑनलाइन रीडिंग और बिल भरने के लिए एंड्रॉइड मोबाइल आवश्यक है लेकिन गरीब वर्ग इनके पास जीवन गुजारने के लिए पैसा नहीं है। वह एंड्रॉइड मोबाइल कैसे खरीदे ऐसी उलझन से नागरिक परेशान है। दूसरी ओर बुलढाणा जिले में प्राइवेट कंपनी को रीडिंग और बिल डिसट्रब्यूशन का ठेका दिया गया था हाल ही में लोकडॉऊन से पहले जिस कंपनी को ठेका दिया गया था। उस कंपनी को ठेका ना देते हुए इसका ठेका नई कंपनी को दिए जाने के कारण महावितरण के उपभोक्ताओं को कई इलाकों में प्रिंट बिल नहीं मिले और ना ही कई इलाकों में रेडींग वाले रीडिंग लेते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं। इस कॉन्ट्रैक्ट कंपनी की मनमानी कारोबार से उपभोक्ताओं को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है क्योंकि खासतौर से गरीब बहुल इलाकों में ना तो रीडिंग वाले रेडिंग करते दिखाई दे रहे हैं और ना ही बिल डिसटीब्यूशन कर रहे हैं ऐसे दोहेरी उलझन से उपभोक्ता काफी परेशान है उपभोक्ताओं ने महावितरण के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है के इस ओर ध्यान देकर समस्या का निवारण करें।

कोविड अस्पताल में लिक्वीड ऑक्सीजन टैंक स्थापित किया जाना चाहिए: डॉ. राजेंद्र शिंगणे

बुलढाणा। महिला अस्पताल ने हाल ही में एक अद्यतन किया है। अस्पताल में 100 बेड के लिए ऑक्सीजन की सुविधा दी गई है। हालांकि, इतनी बड़ी संख्या में ऑक्सीजन सिलेंडर प्रदान करना और उन्हें नियमित रूप से आपूर्ति करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, कोविड समर्पित अस्पताल के परिसर में लिक्विड ऑक्सीजन टैंक स्थापित किया जाना चाहिए। इस संबंध में तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए, संरक्षक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगेन ने संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया। आज कलेक्ट्रेट में पालक मंत्री के कार्यालय में कोविड और गणेशोत्सव पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उस समय, संरक्षक मंत्री डॉ. समीक्षा करते हुए बोल रहे थे। उन्होने आगे कहा आरटीपीसीआर प्रयोगशाला को तुरंत चालू करने का

आदेश। यदि उपकरण प्रयोगशाला के लिए उपलब्ध नहीं है, तो तुरंत बुलाए। स्वास्थ्य विभाग में भर्ती प्रक्रिया की जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग में कोई जगह खाली नहीं होनी चाहिए। रिक्तियों के लिए विज्ञापन के लिए कॉल करें। दुउलगांव राजा ग्रामीण अस्पताल में भर्ती के बारे में तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने गणेशोत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था और कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा लिया। इस समय, जिला सर्जन ने कहा कि एक एम्बुलेंस की जरूरत है। संरक्षक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगाने ने स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे से जिले के लिए 20 एम्बुलेंस दिलाने की मांग की। जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी नाइक ने फसल बीमा कराने वाले किसानों को मुआवजा देने के लिए कार्रवाई करने का आदेश दिया।जिन किसानों ने फसल बीमा लिया है। उन्हें फसल बीमा एप्लिकेशन मोबाइल ऐप के माध्यम से नुकसान की रिपोर्ट करनी चाहिए। ऐसा करने के लिए, गूगल प्ले स्टोर पर जाएं और ऐप डाउनलोड करें। फसल क्षति की सूचना टोल फ्री नंबर 18001024068 टोल पर भी दी जानी चाहिए। यदि आपके पास टोल फ्री नंबर नहीं है और ऐप डाउनलोड करना संभव नहीं है या यदि ऐप में जानकारी नहीं भरी गई है, तो आपको कृषि सहायक से फॉर्म प्राप्त करना चाहिए। इस रूप में, किसानों से नुकसान के बारे में जानकारी 72 घंटे के भीतर कृषि सहायक द्वारा भरी जानी चाहिए, ईस तरह का सुझाव पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे ईन्होने दिया। इस अवसर परकलेक्टर शंमुखराजन एस, जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. दिलीप पाटिल- भुजबल, अपर कलेक्टर प्रमोद सिंह दुबे, निवासी डिप्टी कलेक्टर डॉ. पुरी, जिला सर्जन प्रेमचंद पंडित, जिला स्वास्थ्य अधिकारीबालकृष्ण कांबले आदि उपस्थित थे।

शेगांव नगरपालिका को राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार

बुलढाणा। स्वच्छ भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए 'स्वच्छ भारत सर्वेक्षण 2020' के पांचवें वर्ष के परिणाम हाल ही में घोषित किए गए हैं। इस सर्वेक्षण के अनुसार, इस साल जिले में अमरावती मंडल स्तर पर खामगाँव नगर पालिका शीर्ष पर रही, जबकि शेगाँव नगर पालिका दूसरे और बुलंदाना नगर पालिका तीसरे स्थान पर आई। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर सबसे कम समय में स्वच्छ शहर के कार्यान्वयन के लिए 1 लाख से कम आबादी वाले शेगांव नगरपालिका को पात्र घोषित किया गया है। बुलडाणा जिले की नगर पालिकाओं को स्वच्छ भारत अभियान के तहत आयोजित स्वच्छ भारत सर्वेक्षण में विभिन्न श्रेणियों में अंक मिले हैं। शहर में स्वच्छता के लिए लगातार रोना है। लेकिन जिले की कुछ नगरपालिकाएं वास्तव में चमकदार हैं।बुलडाणा

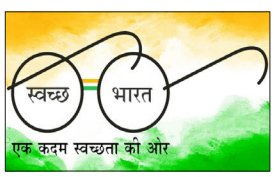

जिले में 1 लाख से कम आबादी वाली शेगाँव नगर पालिका को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। जबके खामगाँव नगर पालिका अमरावती संभाग स्तर पर नंबर एक और शेगाँव नगर पालिका नंबर दो पर आई है।साथ ही बुलडाना नगर पालिका को तीसरा रेटिंग मिली है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की ओर से हरदीप सिंह पुरी ईन्होने हाल ही मे ये निकाल घोषित कीया। 'स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2020' 28 दिनों में पूरा हुआ। देश में 17 मिलियन लोगों ने स्वच्छ्ता ऐप के माध्यम से अभियान के लिए पंजीकरण किया था। 11 करोड़ लोगों ने सोशल मीडिया पर अभियान का प्रतीसाद दिया। साढ़े पांच लाख से अधिक स्वच्छता कार्यकर्ता सामाजिक कल्याण योजनाओं से जुड़े हैं। कचरे से मुक्त शहर की गुणवत्ता सर्वेक्षण के माध्यम से निर्धारित की गई थी।

रामपुर हलचल

नगर के अंदर आधार कार्ड बनवाये जाने की कार्य शैली को लेकर किया मंथन

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। नगर के अन्दर आधार कार्ड बनवाये जाने की कार्य शेली को लेकर किया मंथन, आधार बनवाये जाने के नाम पर बेंक कर्मियों की साठ गाठ के चलते की जाती है धन वसूली, नया आधार कार्ड सेन्टर खुलवाये जाने को लेकर की गई मांग। पालिका अध्यक्ष महनाज जहा ने जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित कर कहा कि रामपुर जनसख्या के हिसाब से नगर दूसरे नम्बर पर गिना जाता है नगर व तहसील क्षेत्र के हिसाब से मात्र एक ही आधार कार्ड सेन्टर प्रथमा बेंक में स्थापित है वह भी लाकडाउन काल से वर्तमान समय तक बन्द चला आ रहा है आधार कार्ड स्वामियों को अपना नया आधार बनवाये जाने व संशोधन कराये जाने में अनेको प्रकार की कठिनाईयो का सामना करना पड़ता है प्रथमा बैंक कर्मियों की मिली भगत क चलते आधार कार्ड बनवाये जाने के नाम पर कार्ड धारी से 200 से 300 रुपये तक धन वसूली की जाती है धन वसूली करने के उपरान्त एक माह से दो माह तक का समय देकर उसको लगातार परेशान किया जाता है कार्ड धारक बाद में समय बीते जाने के उपरान्त बैंक के चक्कर काटता रहता है फिर भी उसको कार्ड उपलब्ध नहीं हो पाता है जनहित की समस्या को देखते हुए एक नया आधार कार्ड सेन्टर खुलवाये जाने तथा बन्द सेन्टर को खुलवाये जाने साठ गाठ के चलते धन वसूली पर रोक लगाये जाने तथा दोषियों के विरुध्द कड़ी एवं कानूनी कार्यवाही किये जाने की मांग की गई है जिसके चलते नगर व क्षेत्र वासी राहत की साँस ले सके तथा किसी प्रकार की कठिनईयो का सामना न कर सके।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर पुलिस की बड़ी कामयाबी

24 घंटे के अंदर मामले का उद्भेदन, फ्लिपकार्ट कंपनी के लूट के सामान के साथ दो लुटेरे गिरफ्तार

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के हरपुर ऐलॉथ से लूटे गए फ्लिपकार्ट कंपनी के समान समेत ट्रक पुलिस ने बुधवार को गंगापुर पंचायत स्थिति लीची बगान से बरामद कर लिया वही दो लुटेरों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार लुटेरे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बाघी निवासी स्वर्गीय रामकरण सिंह के पुत्र कमलेश कुमार एवं विनोद कुमार सिंह के पुत्र रोहित कुमार के नाम शामिल है, वहीं इस घटना में शामिल चार अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। इस संबंध में ट्रक चालक के बयान पर मुसरीघरारी थाना के एक प्रतिनिधि ने दर्ज कराई

प्राथमिकी में पाली जिले के कई थाना अंतर्गत लालगढ़ निवासी राम आशीष साह के पुत्र सोनू कुमार कि मंगलवार की रात व ट्रक से हरपुर ऐलॉथ स्थित कंपनी के गोदाम में समान लौट कर आने के लिए आया था रात हो जाने के कारण व ट्रक को गोदाम के पास लगाकर ट्रक में ही सो गया इस बीच करीब 2:00 बजे किसी ने उसकी गाड़ी से गेट को खटखटाया गेट खोलने पर दो पिस्तौल धारी बदमाश उनकी गाड़ी में बैठ गया और ट्रक स्टार्ट कर चलाने को कहा। अपराधियों के डर से मै गाड़ी चलाना पड़ा। इस मामले को पुलिस ने एक चैलेंज के रूप में लेकर सभी तरह के संसाधनों का उपयोग कर आखिर अपराधियों को गिरफ्तार कर ही लिया। 24 घंटे के अंदर इस मामले का उद्भेदन कर पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल किया। इस मामले में जिला पुलिस कप्तान विकास वर्मन ने प्रेस कांफ्रेंस कर मीडिया कर्मियों को जानकारी दिया।

घर में घुसकर अपराधियों ने गोली मारी

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। उजियारपुर थाना क्षेत्र के महिसारी पंचायत के वार्ड क्रमांक 3 के निवासी वीरेंद्र पासवान और उनके पुत्र रुपेश कुमार की कुछ लोंगो ने गोली मार कर घायल कर दिया। हालांकि इस गोली बारी मे वीरेंद्र पासवान की मौत मौके पर ही हो गया। वहीं पुत्र रूपेश कुमार को जख़्मी हालात मे समस्तीपुर के निजी क्लिनिक मे भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात वीरेंद्र पासवान अपने घर में सोने जा रहे थे तभी अपराधी ने घटना को अंजाम दिया। घटना के संबध मे बताया जाता है कि पूर्व मे आर्केस्ट्रा को लेकर कुछ लोंगो से वीरेंद्र पासवान का झगड़ा हुआ था,जिसकी सूचना पुलिस को दिया गया था। ऐसी आशंका है की पुलिस को सूचना देने से नाराज लोंगो ने घटना को अंजाम दिया होगा। पुलिस मामले की जांच मे जुट गई है। अपराधीयों की संख्या 4 बताया जा रहा है। सभी अपराधी भागने मे सफल रहे।

रामपुर हलचल

विभाग की मिली भगत के चलते किसानों को खाद के नाम पर लूटा जा रहा है

टाण्डा (रामपुर)। जन अधिकार हनन एवं भ्रष्टाचार श्रमिक शोषण के मण्डल महामंत्री अतीकुर्रहमान सलमानी ने कहा कि किसानो की खाद की किल्लत को देखते हुए जिलाधिकारी, रामपुर को पत्र प्रेषित कर शीघ्र ही सहकारिता विभाग की मिली भगत के चलते किसानो को खाद के नाम पर लूटा जा रहा है साथ ही उनको प्रताड़ित किया जा रहा है किसानो के साथ हेरा फेरी कर खाद का बन्दर बाट किया जा रहा है किसानो द्वारा अपनी परेशानियों को देखते हुए उन्होंने विरोध धरना प्रदर्शन का मन बनाना शुरू कर दिया है जटिल समस्या को देखते हुए सहकारिता विभाग के विरुध्द कठोर कार्यवाही किये जाने की मांग की गई है।

उनकी एक पहचान बनी रही सभी से उनका सियासी एवं गेर सियासी लोगों से संबध बना रहा

टाण्डा (रामपुर)। राजेन्द्र कुमार शर्मा रामपुर जनपद से दो बार सांसद रहे सांसद चुने जाने क बाद पूरे क्षेत्र में उनकी एक पहचान बनी रही सभी से उनका सियासी एवं गेर सियासी लोगो से सम्बध बना रहा। चुनाव हारे जाने के बाद भी उनका लगाव रामपुर व क्षेत्र से बना रहा 82 वर्षीय राजेन्द्र कुमार शर्मा लगातार बीमारी से ग्रस्त चले आ रहे थे फोर्टज अस्पताल गुरु ग्राम में उनका इलाज चल रहा था कोरोना के चलते उनका निधन हो गया उनके निधन का समाचार सियासी एवं गेर सियासियो में फेल गया। उनके निधन पर सामाजिक तोर पर बहुत बड़ा नुकसान पंहुचा है उनके निधन पर सियासियो ने दो मिनट का शोक व्यक्त किया गया ईश्वर से उनके लिए दुआये भी मांगी गई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

किडनी को रखना है स्वस्थ तो करें इन जड़ी-बूटियों का सेवन

भागदौड़ भरी जिंदगी में गलत खान-पान के कारण किडनी से संबधित समस्याएं बढ़ती जा रही है। किडनी शरीर का खास हिस्सा है जो शरीर से विषैले पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करती है और शरीर को रोगों से बचाती है। इसलिए स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। अगर आप चाहते हैं आपकी किडनी सही तरीके से काम करें तो दिन में अधिक से अधिक पानी पीएं और कुछ जड़ी बूटियों की भी मदद ले सकते हैं। इन जड़ी बूटियों से किडनी स्टोन, किडनी कैंसर और किडनी से संबंधित अन्य समस्याओं से बचा जा सकता है।
आज हम आपको ऐसी जड़ी बूटियों को बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप अपनी किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं।

1. अजमोद हर्ब
इसमें लूटेओलिन एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो शरीर से विषैले पदार्थ फ्री रेडिकल्स को बाहर निकाल कर किड़नी को स्वस्थ रखने में मदद करता है। अजमोद में विटामिन ए और सी भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

2. धतूरे की जड़
किडनी को मजबूत करने में धतूरे की जड़ काफी मददगार है। यह रक्त शुद्धिकरण करने में भी मदद करती है। इसके सेवन से शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले एसिड और विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं। यह पिट्यूटरी ग्रंथि से प्रोटीन को बाहर निकाल कर हार्मोन में संतुलन बनाएं रखता है।

3. अमरबेल हर्ब
अमरबेल पौधे के पीले फूल रक्त की शुद्धिकरण में मदद करते हैं। यह किडनी के अलावा लीवर को भी स्वस्थ रखता है।

4. करौंदा जड़ी बूटी
यह बहुत फायदे की जड़ी बूटी है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट किडनी से यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद करता है। इसमें यूरिया निकालने की क्षमता होती है।

5. सिंहपर्णी की जड़
यह लीवर और किडनी से विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर उनकी कार्य करने की क्षमता को बढ़ाती है। यह भी रक्त शुद्धिकरण में मदद करता है।

6. मंजिष्ठा हर्ब
इसे आयुर्वेद में बहुत अच्छा माना गया है। यह किडनी के अलावा रक्त से भी विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर शुद्ध करता है।

7. गोल्डनरॉड (Goldenrod)
गोल्डनरॉड के सेवन से किडनी में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलते है और यह किडनी को मजबूत रखने में मदद करता है।

8. गुडूची(Guduchi)
किडनी को स्वस्थ रखने में यह बहुत कारगार उपाय है। गुडूची रक्त में होने वाले विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है इसलिए इसका सेवन धूम्रपान और शराब पीने वाले लोगों के लिए काफी फायदेमंद होता है।

पार्लर से नहीं, घर पर इन 5 आसान स्टेप से करें बॉडी पॉलिशिंग

खूबसूरती के लिए लड़कियां कई ब्यूटी ट्रीटमेंट लेती है, जिसमें से एक है बॉडी पॉलिशिंग। बॉडी पॉलिशिंग आपके पूरे शरीर की खूबसूरती बढ़ाने का सबसे लाजवाब तरीका है। इससे बॉडी पर न सिर्फ ग्लो आता है बल्कि इससे पूरे शरीर की स्किन सॉफ्ट और स्मूद भी हो जाती है। लड़कियां पार्लर में जाकर बॉडी पॉलिशिंग पर पैसे खर्चती हैं लेकिन आप घर पर भी आसान स्टेप से बॉडी पॉलिशिंग कर सकते हैं। इससे आपके पैसे भी बच जाएंगे और कोई नुकसान भी नहीं होगा।

क्या होती है बॉडी पॉलिशिंग
बॉडी पॉलिशिंग एक ऐसा ट्रीटमेंट है, जिससे पूरे शरीर को एक्सफोलिएट और मॉइश्चराइज्ड किया जाता है। इससे सेल्स निकल जाते हैं और शरीर में नए सेल्स बनते हैं। इसे कराने से शरीर में ऑक्सीजन स्पलाई भी अच्छी तरह होती है।

बॉडी पॉलिशिंग के लिए जरूर सामान
स्क्रब
प्यूमिस स्टोन
जैतून का तेल

इस तरह करें बॉडी पॉलिशिंग
स्टेप-1
बॉडी पॉलिशिंग करने के लिए सबसे पहले एक तौलिए को गर्म पानी में भिगोएं और इससे पूरे शरीर को साफ करें। आप चाहें तो शरीर को साफ करने के लिए गुनगुने पानी से शॉवर भी ले सकती हैं।

स्टेप-2
शरीर को साफ करने के बाद जैतून के तेल को गुनगुना कर लें। इसके बाद इससे चेहरे और शरीर पर मसाज करके 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद शरीर को साफ कर लें।

स्टेप-3
तेल साफ करने के बाद पूरे शरीर पर स्क्रब लगाएं। इसके लिए आप घर में चीनी और शहद को मिलाकर भी स्क्रब बना सकती हैं। आप चाहें तो अपनी स्किन टाइप के हिसाब से मार्केट में मिलने वाले स्क्रब का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

स्टेप-4
इसके बाद प्यूमिस स्टोन की मदद से कोहनी, घुटने, एड़ियों और शरीर के सख्त हिस्से को साफ करें। शरीर के बाकी हिस्सों को चेहरे को हाथ से रगड़ कर साफ कर लें।

स्टेप-5
5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से शॉवर ले लें। शॉवर लेने के बाद मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाएं। बॉडी पॉलिशिंग करने के करीब 2-3 दिन तक नहाते समय साबुन का इस्तेमाल न करें।

क्या होती है बॉडी पॉलिशिंग
बॉडी पॉलिशिंग एक ऐसा ट्रीटमेंट है, जिससे पूरे शरीर को एक्सफोलिएट और मॉइश्चराइज्ड किया जाता है। इससे आपको सन डैमेज और डिहाईड्रेट स्किन से राहत मिलती है। इसके अलावा नियमित रूप से हर महीने 1 बार बॉडी पॉलिशिंग करने से डेड सेल्स निकल जाते हैं और शरीर में नए सेल्स बनते हैं। इसे कराने से शरीर में ऑक्सीजन स्पलाई भी अच्छी तरह होती है।

बॉडी पॉलिशिंग के लिए जरूर सामान
स्क्रब
प्यूमिस स्टोन
जैतून का तेल

इस तरह करें बॉडी पॉलिशिंग
स्टेप-1
बॉडी पॉलिशिंग करने के लिए सबसे पहले एक तौलिए को गर्म पानी में भिगोएं और इससे पूरे शरीर को साफ करें। आप चाहें तो शरीर को साफ करने के लिए गुनगुने पानी से शॉवर भी ले सकती हैं।

स्टेप-2
शरीर को साफ करने के बाद जैतून के तेल को गुनगुना कर लें। इसके बाद इससे चेहरे और शरीर पर मसाज करके 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद शरीर को साफ कर लें।

स्टेप-3
तेल साफ करने के बाद पूरे शरीर पर स्क्रब लगाएं। इसके लिए आप घर में चीनी और शहद को मिलाकर भी स्क्रब बना सकती हैं। आप चाहें तो अपनी स्किन टाइप के हिसाब से मार्केट में मिलने वाले स्क्रब का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

स्टेप-4
इसके बाद प्यूमिस स्टोन की मदद से कोहनी, घुटने, एड़ियों और शरीर के सख्त हिस्से को साफ करें। शरीर के बाकी हिस्सों को चेहरे को हाथ से रगड़ कर साफ कर लें।

स्टेप-5
5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से शॉवर ले लें। शॉवर लेने के बाद मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाएं। बॉडी पॉलिशिंग करने के करीब 2-3 दिन तक नहाते समय साबुन का इस्तेमाल न करें।

बच्चों में शुरू से डालें ये 5 आदतें, कभी नहीं होगी दिल की बीमारी

दुनियाभर में दिल के रोगों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हर साल करोड़ों लोग हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण बचपन से ही खान-पान की गलत आदत और कम शारीरिक मेहनत है। इसी कारण बच्चों में भी हार्ट के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अगर दिल को स्वस्थ रखने का सबसे आसान तरीका है स्वस्थ और पौष्टिक आहार खाना। बच्चों में बचपन से ही कुछ आदतें डाली जाएं, तो उनमें दिल की बीमारियों की आशंका कम होती है और वो एक स्वस्थ और लंबा जीवन जी सतके हैं।

पढ़ाई के साथ खेल और एक्सरसाइज
आजकल माता-पिता बच्चों को हर समय पढ़ने की नसीहत देते हैं। मनोवैज्ञानिक आधार पर देखें तो बच्चे एक दिन में 8-10 घंटे से ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इसमें स्कूल में पढ़ाई का समय भी शामिल है। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों की फिजिकल फिटनेस भी जरूरी है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को आउटडोर गेम्स के लिए प्रेरित करें और रोज कम से कम आधा घंटा एक्सरसाइज करवाएं। बच्चों को एक्सरसाइज करवाने के लिए आप भी एक्सरसाइज करें। इससे आप भी फिट रहेंगे। रोजाना आधा घंटा एक्सरसाइज करके आप दिल की बीमारियों की आशंका को 60 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।

हेल्दी डाइट की आदत डालें

कोलेस्ट्रॉल, नमक और चीनी इसलिए खाने में इन तीनों का संतुलन जरूरी है।

वजन न बढ़ने दें
बच्चों में आजकल मोटापे की समस्या बहुत ज्यादा हो रही है। मोटापे की वजह से कई तरह के गंभीर रोगों की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को मोटापे से दूर रखें। अगर बच्चे रेगुलर एक्सरसाइज करेंगे और हेल्दी डाइट लेंगे, तो उनका वजन कंट्रोल रहेगा और बॉडी फिट रहेगी। इससे उनका विकास यानि शरीर की लंबाई, चौड़ाई और मजबूती भी अच्छी रहेगी। वजन कंट्रोल करने में नियम का पालन बहुत जरूरी है। पूरे परिवार के खाने का समय और सोने का समय तय कर दीजिए। अनियमित जीवन के कारण कई बार हेल्दी चीजें खाने के बावजूद आप बीमार पड़ सकते हैं।

ब्लड प्रेशर पर नजर रखें
ब्लड प्रेशर का सही होना बहुत महत्वपूर्ण है। दिल की बीमारियों की मुख्य वजह भी ब्लड प्रेशर ही होता है। ब्लड प्रेशर पर नजर रखने के लिए इसे रेगुलर बेसिस पर चेक करते रहना जरूरी है। ब्लड प्रेशर बताता है कि आपके दिल को आपके शरीर के लिए ब्लड पंप करने में कोई परेशानी तो नहीं हो रही है।

एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स दबाएं और हर बीमारी का समाधान पाएं
पैरों के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स : शरीर में कई ऐसे प्रेशर प्वाइंट्स होते हैं, जिनका कनेक्शन शरीर के दूसरे भागों से होता है। हाथों-पैरों के इन प्वाइंट्स को दबाकर रोगों का इलाज किया जा सकता है। पैरों के इन प्वाइंट्स को रोज 10 या 15 मिनट तक दबाकर कई बीमारियों से राहत पाई जा सकती है। पैरों के इन एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स को अच्छी तरह और सही तरीके से दबाकर आप मांसपेशियों की ऐंठन या जकड़न, ब्लोटिंग, अपच, भूख से संबंधित समस्या को दूर कर सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि पैरों के नीचे मौजूद किन एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स को दबाकर आप बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

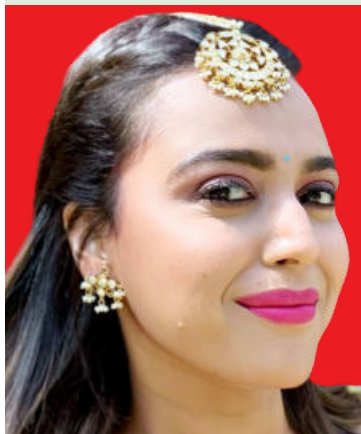

हम महिला किरदारों को पुरुष किरदारों के बराबर सम्मान नहीं देते: स्वरा भास्कर

अभिनेत्री स्वरा भास्कर का कहना है कि फिल्मों और दूसरे दृश्य माध्यमों में महिलाओं के किरदार पुरुष किरदारों से अलग दिखाए जाते हैं। पुरुषों के किसी भी किरदार को पसंद कर लिया जाता है जबकि महिलाओं को 'पारंपरिक छवि' में देखना पसंद किया जाता है। भास्कर उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो महिलाओं की पारंपरिक छवि छवि वाले किरदारों से अलग किरदार चुनती हैं। भास्कर ने कहा कि मानव तस्करी पर आधारित 'फ्लैश' में उन्होंने सख्त महिला पुलिसकर्मी का किरदार निभाया है। यह 'इट्स नॉट दैट सिंपल' और 'रसभरी' के बाद उनका तीसरा वेब धारावाहिक है, जिसमें उन्होंने 'सशक्त महिला का किरदार' दिखाने की कोशिश की है। स्वरा ने कहा, मेरा किरदार गतिशील है। वह सीधी-सादी महिला को नहीं दिखाता है। उसमें खुले मिजाज की महिला दिखाई देती है, जिससे किसी को कोई समस्या नहीं। इसके जरिये यह दिखाने की कोशिश की गई है कि उसमें भी उतनी ही खामियां हो सकती हैं, जितनी किसी इंसान में होती हैं। उन्होंने कहा, समस्या यह है कि हम महिला किरदारों को इंसानों की तरह नहीं देखते। हम उन्हें महिलाओं की तरह देखते हैं। यही वजह है कि हम सिनेमा और अन्य दृश्य माध्यमों में लंबे समय से पुरुषों के अलग-अलग किरदार देखने के आदी रहे हैं। हम बदचलन पुरुष किरदारों को तो पसंद कर लेते हैं, लेकिन महिला किरदार बिल्कुल पाक साफ देखना पसंद करते हैं।

इंडस्ट्री में प्रीति जिंटा के 22 साल

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने इंडस्ट्री में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। वीर-जारा से लेकर कोई मिल गया तक फिल्मों में प्रीति की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया। एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में 22 साल हो गए हैं। आज भी प्रीति की अच्छी फैन फॉलोइंग है। इंडस्ट्री में 22 साल पूरे होने से प्रीति काफी खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। प्रीति जिंटा ने लिखा- जब मैंने करियर शुरू किया था तो मैं एक बड़ी आखों वाली इमैच्योर बच्ची थी, जिसे नहीं पता कि वो कहां जा रही है और उसका क्या होगा। मुझे बस इतना पता था कि मुझे कड़ी मेहनत करनी है। और हिम्मत नहीं छोड़नी है। हर पल को संजोकर रखा हैं। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मैं सभी लोगों की आभारी हूं। साथ ही वो अच्छे-बुरे एक्सपीयंस की जिन्होंने मेरे फ्यूचर को शेप दी। मेरी जर्नी को शानदार बनाया। मेरे सभी डायरेक्टर्स, को-स्टार्स और मेरे फैंस का बहुत शुक्रिया जिन्होंने मुझे बनाया। सपने सच होते हैं तो कभी भी खुद पर विश्वास करना मत छोड़िए। अगर मैं कर सकती हूं तो आप भी कर सकते हैं।

शाहरुख खान की ऐक्शन फिल्म 'पठान' में जॉन अब्राहम की एंट्री, बनेंगे विलन?

शाहरुख खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'पठान' को लेकर खासे चर्चा में हैं। 'जीरो' के बाद से किंग खान के फैन्स उन्हें पर्दे पर देखने को बेताब हैं। लॉकडाउन में घर बैठे शाहरुख ने कई फिल्मों की स्क्रप्टि पढ़ी है और सबसे पहले उन्होंने यशराज फिल्म्स की 'पठान' के लिए हामी भर दी है। खबर है कि उनकी इस हॉई ऑक्टेन ऐक्शन फिल्म में जॉन अब्राहम को भी कास्ट किया गया है। 'पठान' को 'वॉर" फिल्म फेम डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद निर्देशति करेंगे। अब एक न्यूज पोर्टल की खबर है कि फिल्ममेकर्स ने जॉन अब्राहम को अप्रोच किया है। जॉन इस फिल्म में शाहरुख को ऐक्शन में टक्कर देते नजर आएंगे। बताया जाता है कि जॉन इस फिल्म में नेगेटिव रोल प्ले कर सकते हैं। यशराज फिल्म्स आगे सितंबर महीने में एकसाथ कई फिल्मों की घोषणा करने वाली है। जहां तक 'पठान' की बात है, तो इस फिल्म में शारुख के अपोजिट दीपिका पादुकोण को कास्ट किया गया है।